location survey, planning and execution and supply of Rails, Rolling stock and other materials for a new railway line in Syria. The reaction of the Government of Syria to this offer is awaited.

ALLOWANCES DRAWN BY CHAIRMAN, KHADI AND VILLAGE INDUSTRIES COMMISSION

5010. SHRI S.C. SAMANTA : Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether the headquarters of the Chairman of Khadi and Village Industries Commission is in Bombay;

(b) whether the Chairman of the Commission is entitled to D.A. during his frequent sojourn in New Delhi;

(c) the amount of D.A. and other allowances drawn during air travel by the Chairman; and

(d) the detailed break-up of the actual amount drawn by him for his visits to and sojourn in Delhi between August, 1969 and 15th October, 1969?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT, INTERNAL TRADE AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED) : (a) Yes, Sir.

(b) The Chairman of the Commission is entitled to T.A. and D.A. for journeys performed in connection with the discharge of his functions.

(c) During air travel besides air fare the Chairman of the Commission draws incidental charges of Rs. 10 only, as admissible under the rules applicable to his grade in Government service.

(d) During the period in question, Rs. 276 were drawn by the Chairman for his journey from Delhi to Bombay. The details are as follows :

Date of travel	14-8-1969
	Rs.
Amount of T.A. drawn	266·00
Incidental charges	10·00
Total amount drawn	276·00

SPEEDING UP OF DELHI-AHMEDABAD MAIL

5011. SHRI D.N. PATODIA : Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the preliminary tests have shown that it is possible to increase the speed of the Delhi-Ahmedabad Mail; and

(b) if so, whether Government propose to introduce fast moving trains on this line and, if so, when ?

THE MINISTER OF LAW AND SOCIAL WELFARE AND RAILWAYS (SHRI GOVINDA MENON) : (a) Preliminary tests have not been completed yet.

(b) Does not arise.

कोच क्लर्कों, टैली क्लर्कों तथा टिकट कलक्टरों की नियुक्ति

5012. **श्री मोलहू प्रसाद** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रेलवे सेवा आयोग, इलाहाबाद द्वारा नवम्बर, 1966 में कोच क्लर्कों, टैली क्लर्कों तथा टिकट कलक्टरों के कितने पदों के लिए विज्ञापन दिया गया था;

(ख) उक्त पदों सम्बन्धी लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार (इंटरव्यू) में कितने अभ्यर्थी सफल हुए;

(ग) तालिका में कितने अभ्यर्थियों के नाम रखे गये थे तथा उक्त तालिका कब बनाई गई थी;

(घ) उनमें से नियुक्त किये गये अभ्यर्थियों की संख्या के बारे में पूर्ण ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि कोई भी अभ्यर्थी नियुक्त नहीं किया गया है, तो उसके क्या कारण हैं ?

विधि तथा समाज कल्याण और रेलवे मंत्री (श्री गोविन्द मेनन) : (क) से (ङ). सूचना इकट्ठी की जा रही है और सभा-पटल पर रख दी जायेगी।

डिवीजनल सुपरिन्टेन्डेंट कार्यालय, लखनऊ की उच्च शक्ति प्राप्त समिति का प्रतिवेदन

5013. **श्री मोलहू प्रसाद** : क्या रेलवे मंत्री 11 मार्च, 1969 के अतारांकित प्रश्न

संख्या 2486 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या डिवीजनल सुपरिन्टेंडेंट कार्यालय लखनऊ की उच्च शक्ति प्राप्त समिति की विभिन्न सिफारिशों की जांच कर ली गई है और उन पर एक अन्तिम निर्णय कर लिया गया है अथवा इस सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही कर ली गई है;

(ख) यदि हां, तो उसका पूर्ण ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इस सम्बन्ध में असाधारण विलम्ब के किये जाने के क्या कारण हैं ?

विधि तथा समाज कल्याण और रेलवे मंत्री (श्री गोविन्द मेनन) : (क) और (ग). इस सम्बन्ध में 29 जुलाई, 1969 को पूछे गये अतारांकित प्रश्न 1208 के उत्तर की ओर ध्यान दिलाया जाता है।

(ख) फिलहाल रेलों पर सुरक्षा और पुलिस की व्यवस्था के सम्बन्ध में उच्चाधिकार समिति की विभिन्न सिफारिशें विचाराधीन हैं।

दैनिक "आज" के सम्पादक के नाम पत्र

5014. **श्री मोलहू प्रसाद:** क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उनके मंत्रालय का ध्यान 'पूर्वोत्तर रेलवे और हिन्दी' शीर्षक के अन्तर्गत 21 नवम्बर, 1969 के दैनिक 'आज' में प्रकाशित सम्पादक के नाम पत्र की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या उस पत्र में लिखी बातें ठीक हैं; और

(ग) यदि हां, तो उनके मंत्रालय द्वारा उस पर क्या कार्यवाही की गई है ?

विधि तथा समाज कल्याण और रेलवे मंत्री (श्री गोविन्द मेनन) : (क) जी हां।

(ख) और (ग). पत्र में लिखी बातें आंशिक रूप से सही हैं। पूर्वोत्तर रेलवे के हिन्दी संगठन में कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के प्रश्न पर सरकार विचार कर रही है।

हरिजनों के लिए समुद्रपार छात्रवृत्तियां

5015. **श्री रामगोपाल शालवाले :**
श्री नारायण स्वरूप शर्मा :
श्री ओम प्रकाश त्यागी :
श्री रणजीत सिंह :

क्या विधि तथा समाज कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विदेशों द्वारा दी गयी छात्रवृत्तियों पर कितने हरिजन विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिये विदेशों को भेजा गया है;

(ख) क्या उच्च शिक्षा के लिये विदेश भेजे जाने वाले विद्यार्थियों में अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के विद्यार्थियों के लिये कोई निश्चित प्रतिशतता आरक्षित की गई है;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

विधि मंत्रालय और समाज कल्याण विभाग में राज्य मंत्री [डा० (श्रीमती) फूलरेणु गुहा] : (क) 1966-67 में अनुसूचित जातियों के केवल एक छात्र को विदेश भेजा गया था। उसके बाद अनुसूचित जातियों के किसी भी छात्र को नहीं भेजा गया है।

(ख) नहीं, श्रीमान्।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

(घ) विदेशी सरकार द्वारा दी गई छात्रवृत्तियों के लिए उम्मीदवारों का चयन अखिल भारतीय आधार पर पूर्णतया गुण को देखते हुए किया जाता है। अन्य बातें बराबर होने पर पिछड़े वर्गों तथा पिछड़े क्षेत्रों के उम्मीदवारों को, अलबत्ता, कुछ वेटेज दिया जाता है।